<u>जय बाबा</u>

<u>हुवा सवेरा जागोरे भैया</u>

(मधुसूदन पुंड)

(Starts with Harmonium bit.....)

हुवा सवेरा जागो रे भैय्या, नवजुग आयोरे
भगवन मेहेर प्रभू आयो रे !!

पावन हुई धरती सारी आये आये अवतारी !
आयेरे भाई संकटहारी, आये आये हितकारी
धरती अंबर सारा चराचर जिसके इशारे पे डोले !! १ !!

महिमा उसकी जान न पाये, युग युग गुण गाये
राम बने कब श्याम हो आये, मधुर बेनु बजाये
युग बीते पर आजभी दुनिया, उसकी महिमा गाये !! २ !!

पूजा न चाहे पाती न चाहे, सुमिरन एक चाहे
काहेरे मानव धीरज हारे, मेहेर ही रखवारे
प्रेमकी दीक्षा और न शिक्षा कलजुग के रखवारे !! ३ !!

आते है तो दुनिया सोवे, जाते ही वो रोवे
अबतो मौका कोई न खोवे मेहेर भव से छुडावे
मधुसूदन ये योग समयका जाने नहीं वो खोये !! ४ !!